(i) **Printed Pages: 4** **Roll No. .....**

(ii) **Questions : 8** **Sub. Code :** 0 1 1 2

Exam. Code : 0 0 0 2

B.A./B.Sc. (General) 2nd Semester

1048

SANSKRIT (Elective)

Paper–Katha, Niti Avem Vyakran

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :— (1) सुन्दर, संक्षिप्त एवं सारगर्भित लिखें।

(2) उत्तर पुस्तिका में प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

(3) प्रश्नों को क्रमशः हल करने का प्रयत्न करें।

I. निम्न गद्यांशों में से **एक** का सप्रसंग अनुवाद करें :— 5

(क) अथ तैश्च पश्चाद्गत्वा कश्चिद् ग्राम आसादिताः।
तेऽपि ग्रामीणैर्नियन्त्रिताः पृथक्पृथक गृहेषु नीताः।
ततः एकस्य सूत्रिका घृतखण्डसंयुक्ता भोजने दत्ता।

(ख) ततो मण्डूकाह — भो शतनुद्धेः। श्रुतं धीवरोक्तं भवता। तत्किमत्र युज्यते कर्तुम्। पलायनमवष्टम्भो वायत्कर्तुं युक्तं भवति तदादिश्यतामद्य।

(ग) अपरं त्वदीयं गीतं न मधुरस्वरम्, शंखशब्दा अनुकारं दूराऽपि श्रूयते। तदत्र रक्षापुरुषः सुप्ताः सन्ति ते उत्थाम बधं, बन्धनं वा करिष्यन्ति।

II. निम्न श्लोकों में से **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :— 10

(क) सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पण्डितः।
अर्धेन कुरुते कार्यं, सर्वनाशों हि दुसहः।।

(ख) न तत्स्वर्गेऽपि सौख्यं स्याद्दित्य-स्पर्शेन शोभने।
कुस्थानेऽपि भवेत्पुंसां जन्मनो यत्र संभवः।।

(ग) नाऽन्यद्गीतात्प्रियं लोके देवानामपि दृश्यते।
शुष्कस्नायुस्वराऽऽह्लादात ऋक्षं जग्राह रावणः।।

(घ) बुद्धेर्बुद्धिमतां लोके नाऽस्त्यगम्यं हि किञ्चन्।
बुद्ध्या यतो हता नन्दाश्चाणक्येनाऽसिपाणयः।।

III. 'गीतपरायारासभशृगालकथा' **अथवा** 'मन्थरकौलिक कथा' में से **एक** कथा का सार लिखें। 5

IV. निम्न श्लोकों में से **दो** की सप्रसंग व्याख्या करें :— 10

(क) परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते।
स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्।।

(ख) सिंहः शिशुरपि निपतति मदमलिनकपोल भित्तिषु गजेषु।
प्रकृतिरियं सत्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतुः।।

(ग) दानं भोगो नाशस्तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य।
यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति।।

(घ) यस्यास्ति वित्तं स नरः कुलीनः स पण्डितः स श्रुतवान गुणज्ञः।
स एव वक्ता स च दर्शनीयः सर्वे गुणा काञ्चनमाश्रयन्तिः।।

V. निम्न सूक्तियों में से **एक** की सप्रसंग व्याख्या करें :— 5

(क) वारांगनेव नृपनीतिरनेकरूपा।

(ख) नाना फलैः फलति कल्पलतेव भूमिः।

(ग) कूपे पथ्य पयोनिधावपि घटो गृह्णाति तुल्यं जलम्।

VI. निम्न शब्दों में से **दस** शब्दों को संस्कृत में लिखें :— 10

ऊँट, गाय, घोड़ा, नेवला, बिल्ली, उल्लु, कौवा, चिड़िया, मोर, पत्ता, गीद्ध, हंस, नीम, चम्पा, तोता, पीपल, जामुन, चूहा, बकरा, गैंडा।

VII. (क) निम्न अव्ययों में से **पाँच** अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग करें :— 5

कथम्, अद्य, श्वः, सद्यः, पुरतः, दक्षिणतः, नीचैः, उच्चैः, बहिः, अन्तः।

(ख) निम्न संख्यावाची शब्दों में से **पाँच** को संस्कृत भाषा में लिखें :— 5

52, 64, 67, 73, 75, 80, 83, 88, 91, 99

(ग) निम्न शब्दों में से **दो** शब्दों के सम्पूर्ण विभक्ति रूप लिखें :—
गुरु, पितृ, भवत्, अस्मद्। 2×5=10

(घ) सम्पूर्ण मासों अथवा ग्रहों के नाम लिखें। 5

(ङ) निम्न धातुओं में से **दो** धातुओं के निर्दिष्ट लकारों में रूप लिखें :—

√नी (लोट्), √दृश (लट्), √त्यज् (विधिलिङ्ग), √लिख् (लृट्)

2×5=10

VIII. निम्न वाक्यों में से **पाँच** वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद करें :— 10

(क) संस्कृत भारत की प्राचीन भाषा है।

(ख) राजा ब्राह्मण को वस्त्र देता है।

(ग) राजमार्ग के दोनों ओर वृक्ष हैं।

(घ) फल वाले वृक्ष झुकते हैं।

(ङ) भारत सब देशों का शिरोमणि है।

(च) बलराम एक आदर्श विद्यार्थी है।

(छ) वह प्रतिदिन विद्यालय जाता है।

(ज) वह मैदान में दौड़ता है।

(झ) आपका कल्याण हो।

(ञ) गुरु को नमस्कार।